जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया
Jananayak Chandrashekhar University, Ballia

पत्रांक–जे0एन0सी0यू0 / सा0प्र0 /5247/ 2023 दिनांकः28 जुलाई, 2023

सेवा में,

प्राचार्य / प्राचार्या / प्रबन्धक,
समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय,
बलिया।

विषयः "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस" योजना के अंतर्गत एक सप्ताह का "फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP)" दिनांकः 08 अगस्त, 2023 से 14 अगस्त, 2023 तक आयोजित किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय / महोदया,

अवगत कराना है कि जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया **"सेंटर ऑफ एक्सीलेंस"** द्वारा **सेवारत शिक्षकों हेतु सात दिवसीय "फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP)" का आयोजन दिनांकः 08 अगस्त, 2023 से 14 अगस्त, 2023 तक सुनिश्चित किया गया है,** जिसमें अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है।

तत्क्रम में यह भी सूच्य है कि **समस्त प्रतिभागी शिक्षक अपना पंजीकरण रू0 500/– के साथ, संलग्न रजिस्ट्रेशन फार्म पर प्रविष्टियाँ पूरित करते हुए दिनांकः 06 अगस्त, 2023 तक विश्वविद्यालय परिसर स्थित हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन में रजिस्ट्रेशन कराना सुनिश्चित करें।** विशेष जानकारी हेतु डॉ0 प्रियंका सिंह, समन्वयक, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (मो0– 9935683814) से सम्पर्क करने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोक्त।

भवदीय,

(एस0एल0पाल)
कुलसचिव

डॉ0 (प्रियंका सिंह)
समन्वयक,
सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः
1. माननीय कुलपति जी।
2. वित्त अधिकारी, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया।
3. समस्त संकायाध्यक्ष, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया।
4. निदेशक शैक्षणिक, विश्वविद्यालय परिसर।
5. जनसम्पर्क अधिकारी, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया।
6. प्रभारी वेबसाइट को विश्वविद्यालय की वेबसाइट को अपलोड करने हेतु।
7. सम्बन्धित पत्रावली।

कुलसचिव

पताः–शहीद स्मारक, निकट सुरहाताल, जिला–बलिया, उ0प्र0, पिनकोडः–277301
Address:- Saheed Smarak, Near Surha Taal, Dist-Ballia, U.P. Pin Code- 277301
Website:-www.jncu.ac.in E-mail :- jncuballia@gmail.com

Registration Form
07 Days Workshop
08th – 14th August 2023
Organized By
Centre Of Excellence
Jananayak Chandrashekhar University, Ballia

PHOTO

1- Name in (Capital Letter)_____

2- Father Name_____

3- Designation_____

4- Subject_____

5- Date of Birth_____

6- Category_____ **Sex**_____

7- Name of Institution Organization College_____

8- Joining Date_____

9- Mobile Number_____

10- Aadhaar Number_____

11-E-mail_____

Declaration: I hereby declare that all the information furnished in this registration form is correct, complete and true of the best of my Knowledge and belief.

Place: **Date:** **Signature of Applicant**

Forwarding Authority of the Institution **Coordinator/Registrar**

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

Jananayak Chandrashekhar University, Ballia

A State University established under Uttar Pradesh State University Act 1973

A One Week Faculty Development Programme on

"Relevance of Indian Knowledge Traditions in the Present Education System"

"वर्तमान शिक्षा प्रणाली में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता"

Faculty Development Programme, 2023

08 August ~ 14 August, 2023 (Hybrid Mode)

An initiative by	***in collaboration with***
Centre of Excellence for Promotion of Needed 21st Century Skills for Teachers Under the Aegis of Higher Education Department, Government of Uttar Pradesh	the Department of Economics and the Department of Sociology, Jananayak Chandrashekhar University Ballia, Uttar Pradesh

Last Date of Registration: 3 August 2023

Registration Fee: ₹ 500/-

For Details visit our website: www.jncu.ac.in

प्रस्तावना

प्राचीन ज्ञान पद्धति, परंपरा एवं प्रथाएँ सदैव से मानवता की पोषक रही हैं | भारतीय ज्ञान परंपरा भारतीय संस्कृति मे निहित वैदिक एवं उपनिषद काल की वह परंपरा है जो वैदिक काल से लेकर बौद्ध एवं जैन काल तक विभिन्न विश्वविद्यालयों के माध्यम से परिलक्षित होती रही है | उपनिवेशिक दौर और वाह्य संस्कृतियो के प्रभुत्व के कारण इसका लोप विगत 200-300 वर्षो में हुआ है | भारतीय ज्ञान परंपरा में ज्ञान- विज्ञान, लौकिक - परालौकिक, कर्म एवं धर्म तथा भोग एवं त्याग का अद्भुत समन्वय है | दुनिया के लिए भारतीय ज्ञान की इन समृद्ध विरासतों को न केवल भावी पीढ़ी के लिए पोषित और संरक्षित किया जाना चाहिए, बल्कि हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली के माध्यम से शोध एवं संवर्द्धन भी किए जाने चाहिए। भारत का ज्ञान, जो शायद दुनिया के सबसे बड़े बौद्धिक ग्रंथों में निहित है, प्राथमिक रूप से और अनिवार्य रूप से अनुभवजन्य है और 'पाठ में सिद्धांतों' तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। प्राचीन भारतीय शिक्षण प्रणाली अति समृद्ध थी जो धर्म, अर्थ, काम, तथा मोक्ष को समाहित करते हुए विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करती थी तथा जीवन को लक्ष्य प्रदान करती थी | छात्रों को मानव एवं प्रकृति के मध्य संतुलन को बनाये रखना सिखाती थी|

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार 2040 तक भारत में एक ऐसी शिक्षण प्रणाली की स्थापना करनी है जो विश्व गुरु का मार्ग पुनःप्रशस्त करे | इसके लिए भारत की ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों तथा भारतीय भाषाओं के माध्यम से अभियांत्रिकी, चिकित्सा और व्यवसायिक पाठ्यक्रमो का ज्ञान आवश्यक है | भारतीय ज्ञान प्रणाली पर संकाय सदस्यों के विकास के लिए कार्यक्रम

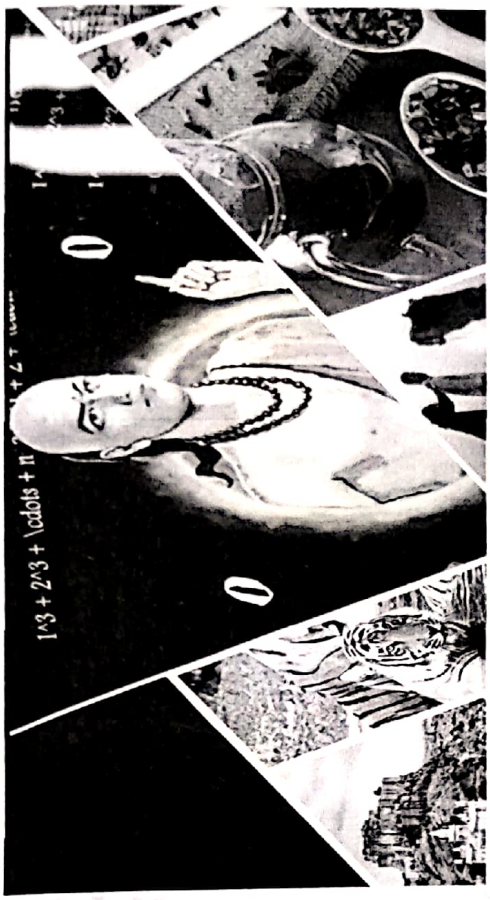

आयोजित करने का उद्देश्य कला और साहित्य, कृषि, सामाजिक विज्ञान, वास्तुकला, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, आदि के क्षेत्र में हमारे देश की समृद्ध विरासत और पारंपरिक ज्ञान को समझने और प्रसारित करने के लिए प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से शामिल करना है। यह समृद्ध भारतीय विरासत के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता पैदा करने का एक प्रयास है। भारत की अंतर-विषयक ज्ञान प्रणाली पर उत्कृष्टता केंद्र द्वारा एफ. डी. पी. (FDP) के माध्यम से पारंपरिक भारतीय अतीत और आधुनिक वैज्ञानिक दुनिया को एकीकृत करने का प्रयास है | भावी पीढ़ियों को भारतीय ज्ञान प्रणाली से अवगत कराने के लिए शिक्षकों को इससे परिचित होना चाहिए और इस तरह के मूलभूत कार्यक्रम इसे संभव बनाने में मदद करेंगे। आर्यभट्ट, चरक, कवाद, वराहमिहिर, नागार्जुन, शंकराचार्य एवं स्वामी विवेकानन्द जैसे महान व्यक्तित्वों ने विश्व में भारतीय ज्ञान परम्परा के समृद्धि हेतु अतुलनीय योगदान दिया है जिसे जारी रखना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

उद्देश्य

- शैक्षणिक समुदाय, विशेष रूप से कॉलेजों और विश्वविद्यालय में शिक्षण में लगे संकाय सदस्यों को भारतीय ज्ञान प्रणाली (I K S) की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता पर एक व्यापक परिप्रेक्ष्य प्रदान करना।
- क्षेत्र और समाज की सांस्कृतिक नीतियों और परंपरा को संरक्षित करने के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- हमारी अद्वितीय विरासतों पर गर्व की भावना पैदा करना।

संरक्षक

प्रो. संजीत कुमार गुप्ता

कुलपति

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, उत्तर प्रदेश

सहायक समन्वयक

उत्कृष्टता केंद्र

डॉ स्मिता

सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग

समन्वयक

उत्कृष्टता केंद्र

डॉ प्रियंका सिंह

सह आचार्य, समाजशास्त्र विभाग

सहायक समन्वयक

उत्कृष्टता केंद्र

डॉ गुंजन कुमार

सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग

आयोजक समिति

डॉ अभिषेक त्रिपाठी , सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग

डॉ विवेक कुमार यादव , सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग

डॉ शशिभूषण , सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग

डॉ प्रज्ञा बौद्ध, सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग

डॉ राम शरण यादव, सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग

Tentative Schedule of the Program

Day and Date	Session I (10:30 AM-12:00 PM)	TEA BREAK (12:00-12:15 PM)	Session II (12:15-1:45 PM)	LUNCH BREAK (1:45-2:15 PM)	Session III (2:15-3:45 PM)
Day 1 (08-08-2023)	Inaugural Session		Key Note Address		Indian Lore
Day 2 (09-08-2023)	Bharatiya Nyay Shastra		Sankhya Darshan		Gurukul System
Day 3 (10-08-2023)	Bharatiya Shiksha Evam Prayavaran		Krishi Evam Bharatiya Shiksha		Patanjali Yog Sutra
Day 4 (11-08-2023)	Prachin Bhartiya Vaastukala		Panini Vyakaran		Bharatiya Saundarya Shastra
Day 5 (12-08-2023)	Glory of Indian Educational Institutions		Praman Parampara		Bharatiya Sangeet
Day 6 (14-08-2023)	Vedic Mathematics	Valedictory Session			